एक नजर में

भाजपा ने मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई

सोयतकलां . 6 जुलाई . मंडल में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई . इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष चिंतामण राठौर, जिला सहकारी बैंक के पूर्व जिला उपाध्यक्ष धुरीलाल दांगी मंचासीन थे . पूर्व जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम दो सांसदों से चले थे और आज लगातार 11 साल से केंद्र में सरकार है . हम चेरेवती चेरेवती के मंत्र को लेकर चलने वाले लोग हैं . हम राजनीति में केवल सत्ता पाने के लिए काम नहीं करते . हम विचारधारा के लिए काम करने वाले लोग हैं . डॉक्टर साहब ने मां भारती की सेवा करने के और भारत माता को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए पार्टी की नींव रखी थी . कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मंडल के उपाध्यक्ष बद्रीलाल गुर्जर, अनिल सेन, रोड़मल राठौड़, दिनेश शर्मा, दुर्गेश गुर्जर, विश्वजीत सिंह, तन्मय व्यास, संजय दांगी, देवेंद्र दुबे आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे . संचालन प्रकाश जाटव ने किया . आभार राजेश राठौड़ ने माना . कार्यक्रम के बाद एक पेड़ मां के नाम लगाया गया .

बूथ नंबर 25 पर भाजपा मनाई जयंती

मोहन बड़ोदिया, 6 जुलाई . भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भाजपा के पितृ पुरुष डॉ . श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्मजयंती पर रविवार को भाजपा मंडल मोहन बड़ोदिया में बूथ नंबर 25 पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया . भाजपा मंडल महामंत्री महेश भारती ने बताया कि सर्वप्रथम श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया . इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश पाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता मौजूद रहे . कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश पाल ने कहा कि डॉ . श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के विचार हम सभी कार्यकर्ताओं को राष्ट्र सेवा की भावना और संगठन निर्माण के संकल्प की प्रेरणा देते हैं .

बिजली के खुले तार से पालतू लेब्राडोर की मौत

शुजालपुर, 6 जुलाई . क्षेत्र स्थित एक गांव में पालतू लेब्राडोर डॉग की करंट लगने से मृत्यु हो गई . इस मामले में पुलिस ने डॉग मालिक की शिकायत पर खेत पड़ोसी के विरूद्ध मामला दर्ज किया . पुलिस को फरियादी महेश परमार पिता मानसिंह निवासी बावनहेड़ा ने शिकायत करते हुए कहा कि वह खेती करता है और उसकी भूमि के समीप महेश पिता छतरसिंह का खेत है, पड़ोसी खेत मालिक महेश परमार ने अपने खेत में बिजली के नंगे तार लगा रखे हैं, सुबह मैं अपने पालतू लेब्राडोर डॉग जो कि 5 माह का है, उसे लेकर खेत पर गया था . यह डॉग घूमता हुआ पड़ोसी महेश के खेत में चला गया, डॉग को बिजली के नंगे तारे से करंट लग गया और मौके पर ही मौत हो गई . लेब्राडोर डॉग की कीमत 20 हजार रुपए बताई गई . पुलिस ने शिकायत पर पड़ोसी खेत मालिक महेश के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 325 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया .

कागजों में बंद है डीजे, सड़क पर नहीं...

कोर्ट की रोज होती है अवमानना, लेकिन आज तक डीजे बंद नहीं हो पाया

शाजापुर, 6 जुलाई. वैसे तो देश के सर्वोच्च न्यायालय ने डीजे पर रोक लगा रखी है. समय-समय पर प्रशासन भी रोक लगाता रहता है, लेकिन हकीकत यह है कि ये रोक केवल कागजों में है, सड़कों पर नहीं. शादी-ब्याह हो या धार्मिक आयोजन, खुलेआम डीजे बजते नजर आते हैं. ऐसा नहीं है धार्मिक आयोजन में तो आगे डीजे बजता है और पीछे पुलिस-प्रशासन रहता है. जिनको डीजे बंद कराने के आदेश मिले हैं. यह ऐसा काम है कि पुलिस-प्रशासन डीजे बजता देख तो रही है, लेकिन बंद कराने की हिम्मत नहीं. केवल कागजों में दिशा-निर्देश जारी कर अपने कर्तव्य से इतिश्री कर लेते हैं.

सब देखते हैं, लेकिन कार्यवाही कोई नहीं करता...

चाहे चुनाव का समय हो, राजनीतिक कार्यक्रम हो, धार्मिक यात्रा हो, बगैर डीजे के आयोजन ही नहीं होता है और खुलेआम डीजे बजाया जाता है . पुलिस-प्रशासन डीजे की गाड़ी के पास ही खड़े रहते हैं, लेकिन वो उसे बंद कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं . हर त्यौहार में खुलेआम डीजे तेज ध्वनि के साथ बजते हैं और ये भी नहीं कह सकते हैं कि पुलिस-प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है . क्योंकि कानून व्यवस्था के लिए तैनात अधिकारी डीजे को देखते तो हैं, लेकिन उसको बंद कराने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं . यहां तक कि डीजे की आवाज से ड्यूटी पर तैनात अधिकारी परेशान होकर दूर चले जाते हैं . लेकिन उस डीजे को बंद नहीं करा पाते हैं .

गौरतलब है कि डीजे पर पूर्णत: प्रतिबंध है, लेकिन उसके बावजूद भी डीजे कभी प्रतिबंधित नहीं हुआ है. शादी-ब्याह में खुलेआम डीजे बजता नजर आता है. राजनीतिक रैलियों में डीजे नजर आता है. धार्मिक यात्राओं में डीजे नजर आता है. यहां तक कि राजनीतिक रैली और धार्मिक यात्राओं में डीजे आगे-आगे और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी पीछे-पीछे चलते हैं,

लेकिन उन्हें डीजे नजर नहीं आता है. कहने को तो मप्र कोलाहर नियंत्रण अधिनियम 1985 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर बिना अनुमति के प्रतिबंध है. कोई उल्लंघन करता है, तो उसके लिए कानून भी है. लेकिन ये सब कागजों की कहानी है. हकीकत यह है कि खुलेआम डीजे का उपयोग किया जाता है और कोलाहल अधिनियम का मखौल उड़ाया जाता है.

हृदय रोगी और बुजुर्गों के लिए घातक है डीजे...

डीजे की जो ध्वनि है, वो इतनी तीव्र होती है कि इसका विपरित प्रभाव बुजुर्ग और हृदय रोगियों पर पड़ता है . चिकित्सकों का कहना है कि तेज आवाज और कंपन से बुजुर्गों पर विपरित असर पड़ सकता है, खासकर हृदय रोगी मरीजों के पास यदि डीजे तेज आवाज में कंपन के साथ बजे, तो मरीज की मौत भी हो सकती है .

अनुमति मिलती है बैंड-बाजे की, बजते हैं डीजे

चूंकि डीजे की अनुमति लिखित में जारी नहीं हो सकती है इसलिए धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक कार्यक्रमों में आयोजक बैंड-बाजे की अनुमति लेते हैं और बजाते हैं डीजे . सब जिम्मेदार आला अधिकारी देखते हैं, लेकिन बंद कराने की किसी में हिम्मत नहीं है . खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ती हैं, वो भी उनकी आंखों के सामने, जो अनुमति जारी करते हैं . अनुमति जारी करते समय पुलिस-प्रशासन ऐसी कड़ी भाषा में अनुमति जारी करता है कि मानो डीजे बज गया, तो आयोजक सहित तमाम शामिल लोगों पर सख्त कार्यवाही होगी . लेकिन डीजे की आवाज सुनकर भी अनदेखी कर देते हैं जिम्मेदार लोग .

भगवान विष्णु ने शिवजी को सौंपा सृष्टि का भार, देवशयनी एकादशी पर मंदिरों में हुई विशेष पूजा-अर्चना

शाजापुर, 6 जुलाई. रविवार को देवशयनी एकादशी पर शहर के श्रीकृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई. भगवान श्री विष्णु को विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुलाया गया. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार देवशयनी एकादशी पर भगवान श्री विष्णु सृष्टि का भार शिवजी को सौंपकर चार महीने के लिए क्षीरसागर में योग निद्रा में चले जाते हैं. इस दौरान मांगलिक कार्यों पर पाबंदी लग जाती है. देवशयनी एकादशी पर शाजापुर के श्रीकृष्ण मंदिरों को आकर्षक फूलों से सजाया गया. श्री गोवर्धननाथ मंदिर, श्रीराम मंदिर और राधा-कृष्ण मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी. श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन किए. तो कई भक्तों ने व्रत रखकर पूजन-अर्चन किया. पंडित शैलेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक शुभ कार्यों पर रोक रहती है. यह समय आध्यात्मिक दृष्टि से पावन माना जाता है, और इस समय भगवान भोलेनाथ सृष्टि का भार संभालते हैं.

सावन से होगा चंदे की नींव पर पुण्य कमाने का श्री गणेश...

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

सावन का महीना शुरू होते ही चंदे की नींव पर पुण्य कमाने का श्रीगणेश हो जाएगा. चंदे के पैसे से अपनी झांकी जमाने का सीजन शुरू हो जाएगा. धार्मिक आयोजन को लेकर अधिकारियों की जेब का कबाड़ा होने वाला है, क्योंकि अब शहर में कई धार्मिक आयोजन शुरू होने वाले हैं. जिस प्रकार राजनीति में प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है. उसी प्रकार धार्मिक कार्यक्रमों में भी प्रतियोगिता शुरू हो जाएगी. खुद का कार्यक्रम सफल और दूसरों का असफल. देश में कहने तो न्याय पालिका, कार्य पालिका और विधायिका है, लेकिन इन दिनों सबसे पॉवरफुल यदि कोई है, तो वह है धर्मपालिका. धर्म पालिका का गठन करने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करना है. कोई सी भी यात्रा निकालकर आप धर्म के ठेकेदार बन सकते हो. यही कारण है कि पिछले कई वर्षों में धर्म पालिका काफी मजबूती से शहर में उठी है. जिन लोगों के पास कुछ काम नहीं वे धर्म पालिका प्रमुख बन जाते हैं. कोई कांवड़ यात्रा के नाम पर, कोई गणेश जी स्थापना के नाम पर, कोई माताजी जी की स्थापना के नाम पर, तो कोई चुनरी यात्रा के नाम पर लक्ष्मी दर्शन करेगा. तो कोई धार्मिक आयोजनों को लेकर मनी रोग से पीड़ित दिखेगा. आने वाले महीने धर्म पालिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. यही कारण है कि चंदे की शुरूआत होने वाली है. कोई घी के डिब्बे मांगेगा, तो कोई गेहूं के बोरे. शहर में यूं तो कई धार्मिक आयोजन होते हैं, लेकिन आने वाले महीनों में धार्मिक आयोजनों की खास बात यह है कि इसके लिए बकायदा आकर्षक पेमप्लेट, शानदार कलपदार कुर्ते के साथ फ्लैक्स और चंदे के रंग-बिरंगे कट्टे तैयार हो गए हैं. इन धर्म के ठेकेदारों को झांकी मंडप दिखाने का भी बड़ा शौक है. और हो भी क्यों ना, भाई जो दिखता है, वही तो बिकता है. जब तामझाम दिखेगा, तभी तो चंदा अच्छा मिलेगा. इसीलिए तो शहरभर में अपनी-अपनी दुकान के बड़े-बड़े फ्लेक्स ऐसे लगाए जाते हैं, जैसे वाकई में बहुत बड़ा पुण्य का काम करने जा रहे हों. सावन में भोले की यात्रा, तो नवरात्रि में इन्हें कन्या भोजन की चिंता सताने लगती है. वह बात अलग है कि इन चंदा खोरों ने कभी घर में किसी कन्या को भोजन नहीं कराया, लेकिन शहर की कन्याओं को ये इसलिए भोजन कराते हैं, ताकि इनके भोजन की व्यवस्था हो जाए. नवरात्रि समाप्त होते ही दशहरे की शुरुआत और दशहरे के बाद शरद पूर्णिमा के बाद दीपावली पर चंदा तो नहीं मिलता, लेकिन मुफ्त में पटाखों की जुगाड़ लगा लेते हैं ये चंदा खोर. शाजापुर में चंदे की नींव पर पुण्य कमाने की इस होड़ से अब शासकीय कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी, आमजन, व्यापारी तौबा कर चुके हैं. सबसे बड़ी बात यह है कि चंदा मांगने वालों की कला की दाद देना पड़ेगी कि वे धार्मिक भावनाओं की आड़ लेकर लोगों की जेब हल्की कर रहे हैं. जो लोग कभी मंदिर नहीं जाते, भगवान के दर्शन नहीं करते, वे चंदे के लिए बड़ा तिलक लगाकर त्यौहारों के समय शहर में मिल जाएंगे. और तो और चंदे की पराकाष्ठा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अभी तक कन्या भोजन, गणेश स्थापना, होली उत्सव, दशहरा उत्सव जैसे आयोजन में ही चंदे की मांग की जाती थी, लेकिन अब इन धार्मिक आयोजन में डांस करने के लिए डीजे के किराये के लिए भी चंदा मांगा जाने लगा है. यूं तो सट्टे-जुएं का खुले स्वर में विरोध करते हैं, लेकिन सटोरियों और जुआरियों से चंदा लेने में इन्हें कोई परहेज नहीं है. सटोरियों से ये चंदा नहीं सहयोग राशि मांगते हैं. अब सटोरियों की क्या गलती, क्योंकि वे धार्मिक यात्रा में सहयोग करते हैं, पुलिस को बंदी देते हैं, नेताओं को भी खुश रखते हैं. तो फिर सटोरियों का विरोध क्यों...? आने वाले त्यौहारों पर सबसे ज्यादा मार शासकीय कार्यालयों के साथ-साथ सटोरियों और जुआरियों पर ही पड़ने वाली है.

करनी और कथनी में माहिर...

शाजापुर में एक खादीधारी ऐसे हैं कि जो विधानसभा का भी टिकट मांगते हैं, नगर पालिका अध्यक्ष भी बनना है, संगठन में भी जगह चाहिए, सनातन की बात करते हैं, अवैध कामों, जुएं-सट्टे को लेकर मुखर रहते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि वे पर्दे के पीछे अवैध काम में लिप्त अल्पसंख्यक को भी छुड़वाते हैं, जुआरियों-सटोरियों से सहयोग राशि भी लेते हैं और फिर सफेद चोला ओढ़कर सनातन और सामाजिक बुराई सट्टे पर भाषण भी देते हैं. दो दिन पहले ही इन साहब का ये चेहरा उजागर हुआ है. अब इसे कथनी और करनी में अंतर कहा जाएगा.

उसी को हक है...

उसी को राजनीति करने का हक है, जो इधर का लगता रहे और उधर का हो जाए. यह पंक्ति भाजपा और कांग्रेस दोनों पर चरितार्थ होती है. जहां कांग्रेस में एक दर्जन ऐसे लोग हैं, जो लगते तो इधर के हैं, लेकिन नजर उधर आते हैं और ऐसा ही आलम भाजपा में भी है. गुटबाजी का संक्रमण कांग्रेस से होता हुआ अब भाजपा में भी पहुंच गया है. भाजपा में कई नेता ऐसे हैं कि उन्हें पद नहीं मिलता तो वे अपने ही आका को कोसने से नहीं चूक रहे.

अंत में...

एक सरकारी अफसर देर रात सड़क पर निकले और सोते हुए भिखारी को उठाकर पूछा कि तुमने कुछ खाया. भिखारी ने कहा नहीं साहब कल रात से कुछ नहीं खाया. तो अफसर पूरी रात उसके पास बैठा रहा और उसे सोने तक नहीं दिया, क्योंकि ऊपर से आदेश था कि कोई भूखा नहीं सोए. ये है हमारी ब्यूरोक्रेसी.

पानी को जमा नहीं होने दें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें

मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के लिए लार्वा सर्वे
कन्या छात्रावास पहुंची अधिकारियों की टीम

शाजापुर, 6 जुलाई. स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मोहन बड़ोदिया स्थित बालक और बालिका छात्रावास का दौरा किया. टीम ने मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के लिए विशेष लार्वा सर्वे किया. स्वास्थ्य टीम ने छात्रावास परिसर में पानी के टैंक, कंटेनर और कूलर की जांच की. मलेरिया निरीक्षक रूप नारायण शर्मा ने छात्रावास स्टाफ और छात्रों को स्वास्थ्य सुरक्षा के टिप्स दिए.

निरीक्षक ने छात्रों को पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने की सलाह दी. सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने को कहा. बुखार आने पर तुरंत मलेरिया की जांच करवाने की सलाह दी. अधिकारियों ने छात्राओं को सलाह दी कि वे रात को सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करें. (विशेष रूप से डेंगू के लिए दिन में भी, क्योंकि डेंगू फैलाने वाला मच्छर दिन में काटता है). मच्छर भगाने वाली क्रीम या स्प्रे लगाएं. पूरे शरीर को ढंकने वाले कपड़े पहनें, विशेषकर सुबह और शाम के समय. दरवाजे-खिड़कियों पर जाली लगवाएं ताकि मच्छर घर में न घुस सकें. इसके अलावा पानी का जमाव रोकें. कूलर, गमले, टायर, खाली डिब्बों आदि में पानी जमा न होने दें. हर हफ्ते इनकी सफाई करें. साथ ही घर के आसपास साफ-सफाई के साथ ही नालियों की नियमित सफाई करें, गड्ढों को भरवाएं. वहीं मच्छरों से बचाव के लिए नीम का धुआं या कपूर जलाएं, जिससे मच्छर नहीं आते. बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द या कमजोरी हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. डेंगू में प्लेटलेट्स कम हो सकते हैं. समय पर इलाज जरूरी है. सर्वे की टीम में बीईई बनेसिंह भिलाला, एएनएम रीटा जोशी और आशा सहयोगिनी भी मौजूद थी.

बापू की कुटिया पर प्रारंभ हुआ पंच कुंडीय महायज्ञ

कई राज्यों के श्रद्धालु होंगे शामिल, गुरू पूर्णिमा पर होगी पूर्णाहूति

शाजापुर, 6 जुलाई. गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में लालघाटी स्थित बापू की कुटिया पर पांच दिवसीय पंच कुंडीय यज्ञ की शुरुआत रविवार से हुई. यज्ञ प्रारंभ होने से अब प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 12 पंडितों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ वैदी पर मौजूद देवी-देवताओं की पूजन, बापूजी की प्रतिमा का पंचामृत स्नान के बाद यज्ञ में आहुतियां डाली जा रही हैं.

यज्ञ के मुख्य यजमान भगवान श्रीकृष्ण रहेंगे. ट्रस्टी वीरेंद्र व्यास, योगेन्द्र सिंह बंटी बना ने बताया कि यज्ञ प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 12 बजे तक एवं दूसरी पारी में दोपहर 3 बजे से साम 6 बजे तक यज्ञ किया जा रहा है. साथ ही गुरूदेव की आरती सुबह-शाम होगी. इसके बाद गुरू पूर्णिमा पर दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन होगा. बंटी बना ने बताया कि यज्ञ की शुरुआत सन् 1987 से हुई थी. तब से लेकर आज तक यहां गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में यज्ञ का आयोजन किया जाता है और आज इस आयोजन को 34 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं. आज भी यहां पंचकुंडीय यज्ञ का आयोजन कर अच्छी वर्षा और विश्व की खुशहाली की कामना से यज्ञ का आयोजन किया जाता है. जिसमें शहर ही नहीं बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के श्रद्धालु यहां पहुंचकर आहूति डालकर धर्म का लाभ लेते हैं.

35 सालों से चली आ रही परंपरा...

व्यास व बंटी बना ने बताया कि यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है, जिसे आज 35 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं . हर वर्ष यहां दूर दराज से श्रद्धालु आते हैं और पूर्णाहूति व यज्ञ में शामिल होते हैं . बापू के अनुयायियों की बापू से गहरी आस्था है, जिसके चलते वे हर वर्ष यहां उपस्थित होकर यज्ञ में शामिल होकर प्रभु की आराधना करते हैं .

सड़क किनारे बाइक पर बेसुध मिला युवक, मौत

शाजापुर, 6 जुलाई. सुनेरा थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई. पनवाड़ी गांव के पास रामनगर जलोदा जोड़ पर एक व्यक्ति बाइक पर बेसुध मिला. राहगीरों ने डायल 100 को सूचना दी.

पायलट संजय सूर्यवंशी और आरक्षक सुनील राजपूत तुरंत मौके पर पहुंचे. उन्होंने युवक को जिला अस्पताल शाजापुर पहुंचाया. डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान पनवाड़ी निवासी लोकेंद्र पिता बालकृष्ण राठौर 36 वर्ष के रूप में हुई. सुनेरा थाना प्रभारी भरत किरार के अनुसार शव को अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया. रविवार को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है. मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा. पुलिस परिजनों के बयान और घटनास्थल की जानकारी के आधार पर जांच कर रही है.

स्थापना दिवस पर पौधे भेंट किए

शुजालपुर, 6 जुलाई. अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की स्थापना दिवस को मनाते हुए प्रदेश महामंत्री बीना माहेश्वरी, संभाग महामंत्री ग्रीष्मा शाह, जिला अध्यक्ष वीणा गोयल, तहसील प्रभारी लता विजयवर्गीय, तहसील अध्यक्ष अंजू सोनी, युवा इकाई पदाधिकारी संदीप शाह, रवि नेमा, योगेश शिवहरे, अम्बर अग्रवाल के नेतृत्व में सर्वप्रथम पौधे वितरण का कार्य किया, जिसमें बिलपत्र एवं तुलसी के पौधे नागरिकों को तथा अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर एवं नर्स को भेंट किए. वहीं भुजावाली महालक्ष्मी के मंदिर पर सुहाग सामग्री अर्पित करते हुए आराध्य देवी मां लक्ष्मी जी की आरती की और परिसर में बेलपत्र, त्रिवेणी, नीम, पीपल, बड़गद के साथ गुड़हल, बेलपत्र, गुलाब, अशोक आदि फू लदार, छायादार वृक्ष लगाएं, जिसमें ग्राम वासियों का विशेषण सहयोग रहा.

एक नजर में — आंगनवाड़ी और पंचायत भवनों को समयसीमा में पूर्ण नहीं कराने पर हुई कार्यवाही

जिले की 60 ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिवों को दिए शोकाज

शाजापुर, 6 जुलाई. कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने जिला पंचायत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबे समय से अपूर्ण आंगनवाड़ी और पंचायत भवनों को समय सीमा में पूर्ण नहीं कराए जाने के लिए करीब पांच दर्जन सरपंच एवं सचिव को कारण बताओ सूचना पत्र देकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे. इसी आदेश के परिपालन में जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर ने 60 ग्राम पंचायतों के सरपंचों एवं सचिवों को नोटिस दिए हैं.

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जनपद पंचायत कालापीपल अंतर्गत ग्राम पंचायत खरदौनकलां, मनसाया, राघौखेड़ी, बमुलियामुच्छाली, कोठड़ी, कनाडिया, चायनी, पोचानेर, भरदी, रामपुरा, अलीसरिया, रोलाखेड़ी, लसुडलियापातला, जाबडियाघरवास, बेरछादातार, हड़लायखुर्द कुल 16 सरपंच-सचिवों को नोटिस दिए हैं. इसी प्रकार जनपद पंचायत मो. बड़ोदिया अंतर्गत ग्राम पंचायत केवडाखेड़ी, सिमरोल शू, पोलायखुर्द, दुपाड़ा, बिजाना, दुगनी, शादीपुरा, गाडराखेड़ी, किलोदा, धतरावदा, मोहना, बिजाना, बरनावद के कुल 13 सरपंच-सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं. जनपद पंचायत शुजालपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चितोड, बिनाया, मोरटाकेवड़ी, रानीबडोद, मो. पंवाडिया, चापड़िया, कड़ूवाला, नि. हिसामुद्दीन, उचोद, मितेरा, निवालिया के कुल 11 सरपंच-सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र दिए गए हैं.

धारा 92 के तहत होगी वसूली...

बता दें उपरोक्त ग्राम पंचायतों में लंबे समय से अपूर्ण आंगनवाड़ी और पंचायत भवनों को समय सीमा में पूर्ण नहीं कराया गया . कलेक्टर ने गत दिवस जिला पंचायत निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत सीईओ को इन ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए थे . जिला पंचायत सीईओ ने आदेश के पालन में शाजापुर जिले की 60 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए हैं . सीईओ संतोष टैगोर ने बताया कि इनके उत्तर संतोषजनक नहीं होने पर पंचायत राज अधिनियम की धारा 92 के तहत वसूली की जाएगी .

शाजापुर जनपद में 20 को मिले नोटिस...

जनपद पंचायत शाजापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकड़ी, सेतखेड़ी, हरणगांव, खामखेड़ा, तिलावद गोविंद, लड़ावद, घट्टियाखुर्द, पिपल्याइन्दौर, घुन्सी, पीरउमरोद, रामपुरा गुजर, सिहोदा, टाण्डार्बोडी, नारायणगांव, दिल्लोद्री, निपानिया धाकड़, रिगंनीखेड़ा, खेरखेड़ी, सूरजपुर, बड़नपुर के कुल 20 सरपंच-सचिवों को नोटिस जारी किए गए हैं .